मुस्कानारिष्ट

– ''सुनोजी'', पत्नि बोली – ''आपको मुझमें सबसे अच्छी क्या बात लगती है?'' मेरी शक्ल या मेरी अक्ल।

साहब ने पेपर से नज़र हटाई... थोड़े सीरियसली मैडम को ऊपर से नीचे तक देखा, कुछ रुक कर मुस्कुरा दिये। बोले ''मुझे तुम्हारी ये मज़ाक करने की आदत बहुत अच्छी लगती है।''

• • •

– तय्यब अली खुले मैदान में घूम रहे थे। क़ुदरत की खूबसूरती निहार रहे थे। ऐसी सुंदर धरती बनाने के लिये अपने रब की मन–ही–मन तारीफ कर रहे थे। तभी एक कौए ने आसमान से बीट टपकाई जो अली साहब के गाल पर गिरी। साहब ने उसे पोंछा और फिर दोनों हाथ ऊपर उठाकर खुदा का शुक्र अदा किया– ''या रब तेरा लाख–लाख शुक्र है तूने भैंसों को पर नहीं दिये।''

• • •

– बरसात की रात एक लड़की भीगी सी, भीगा बदन, भीगे गाल, भीगी जुल्फें, नज़रें मिलीं और दिल ने कहा – ''कल ये 100% बीमार पड़ेगी और मेरे नर्सिंग होम में आयेगी।''

• • •

– हिम्मतलाल, मरम्मतलाल तथा तोहमतलाल एक पलंग पर सो रहे थे। जगह कम पड़ रही थी और तीनों परेशान थे। हिम्मतलाल ने हिम्मत दिखाई और पलंग के नीचे चादर बिछाकर लेट गया। ऊपर अच्छी जगह हो गई और बाकी दोनों आराम से लेट गये। थोड़ी देर में तोहमतलाल और मरमम्मतलाल ने हिम्मतलाल को आवाज़ दी – ''अब यहाँ काफी जगह हो गई है ऊपर आ जाओ।''

• • •

– ''आसमान में तुम हो, ज़मीं में तुम, हवा में तुम हो, पानी में तुम''

डिटॉल वाली आंटी ठीक ही कहती थीं – ''कीटाणु हर जगह होते हैं।''

संता : मेरी डिक्शनरी में इम्पॉसिबल (Impossible) शब्द नहीं है।

बंता : अब कहने से क्या फायदा। खरीदने के पहले देखना चाहिये था।

• • •

डॉक्टर जब मेंटल अस्पताल के एक कमरे में राउंड पर पहुँचा तो देखा कि एक मरीज़ ज़मीन पर बैठा लकड़ी काटने की एक्टिंग कर रहा है, और दूसरा छत से पैरों में रस्सी बाँधे उल्टा लटक रहा है।

डॉक्टर मरीज़ से – तुम क्या कर रहे हो?

मरीज़– आपको दिखता नहीं कारपेंटरी का काम कर रहा हूँ।

डॉक्टर– और वह उल्टा क्यों लटका है?

मरीज़– वो मेरा दोस्त है। थोड़ा पागल है। वह समझता है वह बिजली का बल्ब है।

डॉक्टर– वो तुम्हारा दोस्त है, उल्टा लटके–लटके उसे कुछ हो जायेगा। तुम उसे उतार क्यों नहीं देते?

मरीज़ : आप अजीब पागल किस्म के डॉक्टर हो। उसे उतार दूँगा तो क्या मैं अंधेरे में काम करूँगा?

• • •

पागलखाने के एक मरीज़ ने अपने एक साथी को अपनी जान की परवाह न करते हुये डूबने से बचा लिया।

अस्पताल इंचार्ज डॉक्टर उसकी बहादुरी से बहुत खुश हुये। उन्होंने उसे बुलाया और कहा – ''आपने बहुत अच्छा काम किया है। इसके लिये जल्दी ही आपकी अस्पताल से छुट्टी कर दी जायेगी। परंतु जिस मरीज़ को आपने डूबने से बचाया था, दुर्भाग्य से उसने रस्सी से फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली।''

मरीज़ : ''सर उसने आत्महत्या नहीं की। मैंने उसे रस्सी पर सूखने के लिये लटकाया था।''